**धारा 107 द. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र**

न्यायालय ............. .............

वाद सं. ............. .............

अबक ................. ................. ................. ................. ................. ................. .................

बनाम

कखग ........... ................. ................. ................. ................. ................. .................

अन्तर्गत धारा 107 द. प्र. सं.

थाना .............

सुनवाई की तारीख ... .............

**अति सादरपूर्वक प्रदर्शित करता है -**

1. यह कि विरोधी पक्षकार अबक ने धारा 107 द. प्र. सं. के अधीन वर्तमान याची कखग के विरुद्ध कार्यवाही प्रारम्भ किया है और मुद्दा तारीख ............. को नियत किया गया लम्बित न्याय निर्णयन है।
2. यह कि वास्तविक तथ्य यह है कि याची की गलती नहीं है क्योंकि याची ने स्थानीय नगरपालिका प्राधिकारियो से मंजूरी प्राप्त की है और उसकी एक प्रतिलिपि परिशीलन के लिए रखी जाती है।
3. यह कि वास्तविक गलती उस विरोधी पक्षकार की होती है जो ऊपर प्राधिकृत परिक्षेत्र ऊपर दिये गये स्थान में रह रहा है जिसकी क्षेत्र के रूप में अनुमोदित किये गये भवन के निर्माण के लिए कोई मंजूरी स्थानीय शापिंग काम्पलेक्स के चिन्हाकित किया जाता है और विरोधी पक्षकार द्वारा यथा अधिकथित याची द्वारा निर्मित दीवार बनने वाली स्थानीय शापिंग काम्पलेक्स की चहरदीवारी है।

याची तद्नुसार प्रार्थना करता है कि उस विरोधी पक्षकार के विरुद्ध ऐसी कालावधि के लिए बाधा पैदा करने एवम् शान्ति एवम् परिशान्ति भंग करने के लिए कार्यवाही धारा 107, द. प्र. सं. के अधीन की जाए परिस्थितियों में माननीय न्यायालय द्वारा उपयुक्त समझा जाए।

तारीख : याची/विरोधी पक्षकार जरिये अधिवक्ता

स्थान :